hindustantimes noida

HINDUSTAN TIMES, NEW DELHI
WEDNESDAY, JULY 09, 2014

Noida to host SAARC nations

Kapil Datta
htreporters@hindustantimes.com

Shilpotsav will be held in October. HT PHOTO

NOIDA: Nations from the South Asian Association for Regional Cooperation (SAARC) will participate in the ten-day Noida Shilpotsav, a shopping festival, between October 11 and October 20. It is being organised by UP tourism in association with the Noida authority.

"On Monday, Foreign ministry officials, during a meeting with UP tourism gave principle approval for the SAARC nations' participation. Countries that will participate are Pakistan, Afghanistan, Bangladesh, Bhutan, Maldives, Nepal, and Sri Lanka," said Abhilash Sharma, additional director, UP Tourism.

"Authorities have earmarked six acres of land for development of conference and cultural event space to be developed in association with UP tourism where beside the annual Noida fair other cultural activities will be held round the year. This year, it will be held at the Noida Stadium," said Sharma.

शिल्पोत्सव में शामिल होंगे सार्क देश

- तैयारियों में जुटा प्राधिकरण और पर्यटन विभाग
- सिक्योरिटी और सांस्कृतिक कार्यक्रम की तैयारियों पर विशेष जोर

जागरण संवाददाता, नोएडा : शिल्पोत्सव कार्यक्रम में इस बार सार्क देश भी हिस्सा लेंगे। जिसमें पाकिस्तान, बांग्लादेश, भूटान, म्यांमार, अफगानिस्तान, नेपाल और मालदीव शामिल है। इन देशों के लिए अंतरराष्ट्रीय हस्तशिल्प प्रभाग भी बनाया जाएगा। इसकी तैयारी को लेकर बृहस्पतिवार को प्राधिकरण में बैठक हुई। जिसमें संयुक्त सचिव सार्क डॉ नीना मल्होत्रा, प्राधिकरण अधिकारी समेत पुलिस-प्रशासन और राज्य पर्यटन विभाग के अधिकारी मौजूद थे। इस बार साज-सज्जा के साथ सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष जोर दिया जाएगा। सीसीटीवी कैमरे से मिलने वाली फुटेज को सीधे मोबाइल फोन पर देखने की सुविधा भी दी जाएगी ताकि वरिष्ठ पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी शिल्पोत्सव कार्यक्रम पर हमेशा नजर रख सकें।

मालूम हो कि शिल्पोत्सव कार्यक्रम प्रत्येक साल सेक्टर-21ए नोएडा स्टेडियम में आयोजित किया जाता था। इस बार शिल्पोत्सव का आयोजन 25 हजार वर्ग मीटर में सेक्टर 33 मैदान में होगा। इसके लिए यहां सोशियो-कल्चरल एवं कन्वेंशन सेंटर की स्थापना की गई है। इस बार इसे शिल्पोत्सव' के साथ अंतरराष्ट्रीय मेला भी कहा जाएगा। इसमें जाने-माने बॉलीवुड के गायक व गायिका भी रंगारंग कार्यक्रम का हिस्सा बनेंगे।

शिल्पोत्सव कार्यक्रम : एक नजर

- स्थान -सेक्टर 33 मैदान
- 11 अक्टूबर से 20 अक्टूबर
- यूपी समेत देश भर के शिल्पकार के लिए लगेंगे स्टाल
- सार्क देश भी होंगे शामिल।
- रोजाना शाम को सांस्कृतिक कार्यक्रम
- 20 रुपये होगा प्रवेश टिकट
- सीनियर सिटीजन केबिन, शटल सर्विस और बैटरी चालित वाहन की सुविधा

'कार्यक्रम को आयोजित कराने और पूरी योजना बनाने के लिए एजेंसी के चयन का काम चल रहा है। नोएडा प्राधिकरण ने बृहस्पतिवार को बैठक आयोजित कर आयोजन और सुरक्षा पर विचार विमर्श किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन शाम 7-10 बजे तक होगा। इसके लिए कलाकारों का चयन नहीं हुआ है। जल्द ही इस काम को पूरा कर लिया जाएगा।'

- विजय यादव, डीसीईओ
नोएडा प्राधिकरण।

नई दिल्ली। मंगलवार। 23 सितंबर 2014

अमर उजाला

नोएडा शिल्पोत्सव में शामिल होंगे सार्क देश

उत्तर प्रदेश टूरिज्म के न्योते को किया स्वीकार, पहली बार लेंगे भाग

पाकिस्तानी टूरिज्म ने शिल्पोत्सव में हिस्सा लेने पर नहीं दी सहमति

फाइल फोटो

सीमा शर्मा

नई दिल्ली। नोएडा शिल्पोत्सव में दर्शकों को सार्क देशों की कला, संस्कृति और खानपान से रू-ब-रू होने का मौका मिलेगा। पहली बार ये शिल्पोत्सव में भारत आ रहे हैं। हालांकि पाकिस्तान इसमें भाग नहीं ले रहा है।

नोएडा के सेक्टर-22 स्टेडियम में 11 से 20 अक्तूबर तक होने वाले शिल्पोत्सव में हिस्सा लेने के लिए उत्तर प्रदेश टूरिज्म ने सार्क देशों के पर्यटन विभाग को न्योता दिया था। इसे वहां के प्रबंधन ने स्वीकार कर लिया है। शिल्पोत्सव में बांग्लादेश, श्रीलंका, नेपाल, भूटान, मालदीव और अफगानिस्तान के कलाकार व शिल्पकार अपनी कला से भारत का दिल जीतेंगे। हालांकि अभी तक पाकिस्तानी टूरिज्म ने शिल्पोत्सव में भाग लेने की सहमति नहीं दी है। सूत्रों के मुताबिक, प्रगति मैदान में पिछले दिनों आयोजित आलीशान-पाकिस्तान मेले का राष्ट्रवादी शिव सेना व हिंदू सेना ने विरोध किया था। जिसके चलते मेला परिसर में तीन स्तर की सुरक्षा मुहैया करवाई गई थी। इसी को देखते हुए पाकिस्तानी व्यापारी भी शिल्पोत्सव में आने से कतरा रहे हैं। वहीं, यूपी टूरिज्म डिपार्टमेंट भी सुरक्षा बढ़ाने और अन्य झमेलों से बचने के मूड में है।

उत्तर प्रदेश टूरिज्म के डायरेक्टर अभिलाष शर्मा ने दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में अमर उजाला को बताया कि नोएडा शिल्पोत्सव में भाग लेने के लिए सार्क देशों ने न्योता स्वीकार कर लिया है। इस बार दर्शकों को सार्क देशों के खानपान का जायका भी चखने को मिलेगा।

विशेष

नई दिल्ली। शुक्रवार। 3 अक्तूबर 2014

अमर उजाला

शिल्पोत्सव की हर शाम होगी रंगारंग

जादू बिखेरेंगे विनोद राठौर और ममता शर्मा

अमर उजाला ब्यूरो

नोएडा। नोएडा प्राधिकरण और उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग की ओर से आयोजित होने वाले शिल्पोत्सव में हर शाम होने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा बना ली गई है। सेक्टर-21ए स्थित नोएडा स्टेडियम में शिल्पोत्सव का आयोजन 11 से 20 अक्तूबर तक होगा।

उत्तर प्रदेश पर्यटन के निदेशक अभिलाश शर्मा ने बताया कि शिल्पोत्सव के पहले दिन बॉलीवुड गायक विनोद राठौर अपनी आवाज के जादू से लोगों को मंत्रमुग्ध करेंगे। 12 अक्तूबर को ममता शर्मा अपनी आवाज का जादू बिखेरेंगी। 13 अक्तूबर को अजमत अली और रागनी मक्कड़ सूफी राग छेड़ेंगे। 14 अक्तूबर को गायिका शिल्पा राव का कार्यक्रम होगा। 15 को कॉमेडियन जिवेशु अहलूवालिया दर्शकों को गुदगुदाएंगे। 17 अक्तूबर को कव्वाल एहसान भारती का कार्यक्रम होगा। एहसान घुंघरू की आवाज मुंह से निकालने में माहिर हैं। 19 अक्तूबर को भोजपुरी गायिका मालिनी अवस्थी का कार्यक्रम होगा। 16 और 18 अक्तूबर को स्थानीय कलाकारों और छात्रों को मौका मिलेगा। इस बार शिल्पोत्सव में श्रीलंका, अफगानिस्तान, मालदीव, भूटान, बांग्लादेश, पाकिस्तान और नेपाल के शिल्पकार अपना हुनर दिखाएंगे। चीन, थाइलैंड, मलयेशिया व सिंगापुर की भागीदारी पहले से ही हो रही है। शिल्पोत्सव में लजीज व्यंजनों के स्टाल भी लगाए जाएंगे।

आयोजन

- 11 से 20 अक्तूबर तक चलेगा शिल्पोत्सव

राष्ट्रीय
10 | सहारा
नई दिल्ली। शनिवार • 4 अक्टूबर • 2014

शिल्पोत्सव में शिरकत करेंगे नामी संगीतकार

हर शाम को बनाएंगे रंगीन

नोएडा (एसएनबी)। सेक्टर-21ए स्थित नोएडा स्टेडियम में 11 अक्टूबर से 20 अक्टूबर तक चलने वाले शिल्पोत्सव मेले में हर शाम को रंगारंग बनाने के लिये प्राधिकरण एवं उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग तैयारी में जुटा हुआ है। रंगारंग कार्यक्रम में बालीवुड के कई बड़े संगीतकार आयेंगे। एक शाम भोजपुरी गायिका भी अपना जलवा विखेरेंगी। शिल्प मेले में लोगों को सार्क देशों की झलक देखने को मिलेगी।

- 11 अक्टूबर से 20 अक्टूबर तक चलेगा मेला
- सार्क देशों की देखने को मिलेगी झलक
- 400 हस्तशिल्प की स्टॉल, 200 कामर्शियल स्टॉल एवं 20 फूडकोर्ट के स्टॉल होंगे

उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग के निदेशक अभिलाश शर्मा ने बताया कि 11 अक्टूबर से 20 अक्टूबर तक चलने वाले शिल्पोत्सव मेले में शाम के समय संगीत कार्यक्रम के लिये बालीवुड के कई बड़े कलाकार पहुंच रहे है।

शिल्पोत्सव के पहले दिन बॉलीवुड गायक विनोद राठौर का कार्यक्रम है। वहीं अंतिम दिन 20 अक्टूबर के लिए उदित नारायण से बातचीत चल रही है। मेले के दूसरे दिन 12 अक्टूबर को बालीवुड गायिका ममता शर्मा, 13 अक्टूबर को अजमत अली और रागनी मक्कड़ का कार्यक्रम रखा गया है। 14 अक्टूबर को गायिका शिल्पा राव तो 15 अक्टूबर को जिवेशु अहलूवालिया दर्शकों को हंसाएंगे। 17 अक्टूबर को कव्वाली गायब एहसान भारती का कार्यक्रम है, एवं 19 अक्टूबर को भोजपुरी गायिका मालिनी अवस्थी अपने संगीत से लोगों को मंत्रमुग्ध करेंगी।

अभिलाश शर्मा ने बताया कि 10 दिनों तक चलने वाले इस मेले में सार्क व पड़ोसी देशों की झलक भी देखने को मिलेगी। अब तक थाईलैंड से पांच, चाइना से तीन एवं श्रीलंका से तीन स्टॉल शिल्प मेले में पहुंच रहे है। इसके अलावा अफगानिस्तान, पाकिस्तान, बंग्लादेश एवं मॉलदीप को विदेश मंत्रालय स्तर से निमंत्रण दिया गया है एवं उन देशों की नुमांइदगी देखने को मिलने की संभावना है। शिल्प मेले में 400 हस्तशिल्प की स्टॉल, 200 कामर्शियल स्टॉल एवं 20 फूडकोर्ट की स्टॉल होगा। इसके अलावा कई प्रदेश की अपनी प्रदर्शनी भी शिल्प मेले में लगेगी।

Times of India Noida news- Shlipotsav

1 message

Abhinav S <abhinavbox@gmail.com> Mon, Oct 6, 2014 at 10:29 AM
To: Abhilash Sharma <abhilash.up@gmail.com>

The news in Times of India- Noida Paper

Online Link: http://timesofindia.indiatimes.com/city/noida/NCRs-biggest-handicraft-fair-in-Noida/articleshow/44439101.cms

News as copied:

RELATED

NOIDA: Noida will host NCR's biggest handicraft fair from October 11 at Noida stadium . The 10-day event organized by UP tourism and the central government will be attended by various artists and artisans from the SAARC countries like Sri Lanka, Maldives, Afghanistan, Bhutan, Bangladesh, Pakistan and Nepal.

Noida has been organizing this event since 2009. This year the event 'Tourism and Handicraft' will have 400 handicraft stalls and 200 state tourisms stalls. Moreover, 20 food stalls will be serving cuisines from several states.

Abhilash Sharma, secretary of Crafts Mela Mahotsav Samiti said that after Surajkund Mela in Faridabad, Shilpotsav register maximum number of visitors every season.

As many as 100 CCTV cameras will be installed and over 200 police personnel will be deployed to avert any untoward incident.

On elaborating the details, Abhilash Sharma, secretary of Crafts Mela Mahotsav Samiti said that in Shilpotsav the artisans from SAARC countries like Sri Lanka, Maldives, Afghanistan, Bhutan, Bangladesh, Pakistan and Nepal will participate.

Noida has been organizing this event since 2009 and art lovers from NCR visit in large number every season. Sharma said that after Surajkund Mela in Faridabad, Shilpotsav register maximum number of footfall of visitors.

"This year theme of the Shilpotsav is "Tourism and Handicraft." The event will be loaded with 400 handicraft stalls and 200 state tourisms stalls. Keeping the foodies in mind, this time we have decided to pitch in 20 food stalls, which will bring various parts of the country dishes at one place," Sharma said that the Shilpotsav has been chalked out in way that everyday visitor enjoy cultural programmes.

"On October 11, Vinod Rathore will perform while on October 12 noted singer Mamta Sharma will perform. On October 13 Azmat Ali & Ragini Makkad will sing Sufiyana songs. Again on October 14 singer Shilpa Rao will perform while on October 15 , comedian Jeevesh Ahluwalia will perform and make the people laugh," he added. That famous bollywood singer Javed Ali will perform on October 20.

Since the event will be attended by several dignitaries, so elaborate security arrangements have been made. "Over 100 CCTVs to keep an eye of Shilpotsav. And over 200 police personal will be deployed to ensure no unfortunate incident. Senior police officials alongwith UP tourism officials on Sunday visited to take stock **of security arrangements.**

THE TIMES OF INDIA

THE TIMES OF INDIA, NEW DELHI / NOIDA / GHAZIABAD
MONDAY, OCTOBER 6, 2014

NCR's biggest handicraft fair in Noida

TIMES NEWS NETWORK

Noida: Noida will host NCR's biggest handicraft fair from October 11 at Noida stadium . The 10-day event organized by UP tourism and the central government will be attended by various artists and artisans from the SAARC countries like Sri Lanka, Maldives, Afghanistan, Bhutan, Bangladesh, Pakistan and Nepal.

Noida has been organizing this event since 2009. This year the event 'Tourism and Handicraft' will have 400 handicraft stalls and 200 state tourisms stalls. Moreover, 20 food stalls will be serving cuisines from several states.

Abhilash Sharma, secretary of Crafts Mela Mahotsav Samiti said that after Surajkund Mela in Faridabad, Shilpotsav register maximum number of visitors every season.

As many as 100 CCTV cameras will be installed and over 200 police personnel will be deployed to avert any untoward incident.

HINDUSTAN TIMES, NEW DELHI
TUESDAY, OCTOBER 07, 2014

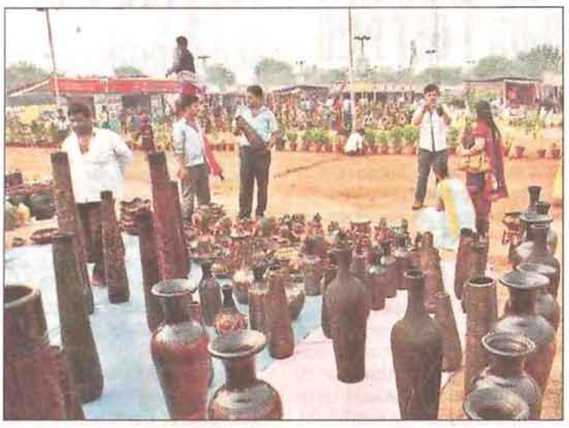

Shilpotsav is being held in Noida since 2009. This will be the first time when Akhilesh Yadav will visit the city after becoming the CM. HT

Akhilesh may break Noida jinx, open Shilpotsav

HT Correspondent
htreporters@hindustantimes.com

NOIDA: Chief Minister Akhilesh Yadav is likely to visit the city on October 11 to inaugurate 'Shilpotsav 2014' and break the Noida jinx, said officials. This is the first time that Yadav might visit the city after becoming the chief minister in March 2012.

The Uttar Pradesh government, in association with the Union ministry for culture and textile, has been organising Shil potsav at the Noida Stadium in Sector 21A since 2009. The event will kick-start on October 11 and end on October 20.

Because of a jinx attached to visiting Noida, Yadav like many of his predecessors has stayed away from visiting the city ever since he took an oath as the chief minister. Last time, Yadav had visited Noida in 2012 before the assembly elections to campaign for the Samajwadi Party (SP).

"We have invited the chief minister to inaugurate the Noida Shilpotsav as it is one of the biggest handicraft events in India. Craftsmen from several countries set up their stalls at the event. The Chief Minister is likely to come for the inauguration for the event on October 11," said DK Sharma, official, Uttar Pradesh tourism.

Officials of the Noida police, UP tourism and Noida authority are doing their best to ensure a peaceful event.

"The Noida police have installed 75 CCTV cameras and deployed 200 police personnel to guard the venue," said Abhilash Sharma, secretary, Crafts Mela Mahotsav Samiti.

According to tourism officials, there will 400 handicraft stalls, 200 stalls for tourism and commercial purposes. Besides, there will be 20 food stalls, which will offer the delicacies of various states to visitors.

Bollywood singer Vinod Rathore will perform on the opening day on October 11.

"Singers such as Mamta Sharma, Azmat Ali, Ragini Makkad and Shilpa Rao, comic artist Jeevesh Ahluwalia, Bhojpuri Singer Malini Awasthi and several folk artists will also entertain visitors on different days. Artisans from SAARC countries such as Sri Lanka, Maldives, Afghanistan, Bhutan, Bangladesh, Pakistan and Nepal will participate in the event," said Sharma.

'JINXED' CITY

- According to local politicians, the jinx started when former Chief Minister Veer Bahadur Singh lost in 1988 right after returning from a meeting in Noida
- The superstition grew stronger when Singh's successor ND Tiwari, too, lost after visiting the city
- Mulayam Singh, Kalyan Singh, Rajnath Singh and Mayawati — no chief minister came to Noida because of the jinx attached to the city

> CRAFTSMEN FROM SEVERAL COUNTRIES SET UP THEIR STALLS AT THE EVENT. THE CHIEF MINISTER IS LIKELY TO COME FOR THE INAUGURATION FOR THE EVENT ON OCTOBER 11
> DK SHARMA, official, UP tourism

दैनिक जागरण नई दिल्ली, 7 अक्टूबर 2014

शिल्पोत्सव को आधुनिक बनाने पर पर्यटन विभाग का जोर

जागरण संवाददाता, नोएडा : सेक्टर-21ए नोएडा स्टेडियम में आयोजित होने वाले शिल्पोत्सव मेले में इस बार सुरक्षा का विशेष ख्याल रखा जा रहा है। इस बार मेले में आने वालों के लिए मेट्रो स्टेशन की तरह प्रवेश के लिए ट्रिपोड टर्नसटाइल्स (कार्ड या टोकन के द्वारा पंच करने के बाद खुलने वाला प्रवेश द्वार) की व्यवस्था रहेगी। पर्यटन विभाग ने इसका प्रस्ताव प्राधिकरण को भेजा है।

ध्यान रहे कि 11 से 20 अक्टूबर तक नोएडा स्टेडियम में शिल्पोत्सव मेले का आयोजन किया जाना है। इस मेले का आयोजन पिछले छह वर्ष से किया जा रहा है। इसमें देश के साथ सार्क देश के शिल्पकार शामिल होते हैं। दस दिन चलने वाले इस मेले में प्रतिदिन सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाता है।

अभी तक मेले में प्रवेश के लिए पर्ची या पास की व्यवस्था की जाती थी। इसके कारण कई बार गड़बड़ी की शिकायत मिलती रहती थी। इसके अलावा पर्यटन विभाग शिल्पोत्सव की बढ़ती लोकप्रियता को भुनाने के लिए उसका आधुनिकीकरण करने की योजना बना रहा है। मेले में काफी संख्या में विदेशी शिल्पकार भी आते हैं। इस कारण भी मेले की छवि को बेहतर बनाने के लिए भी इस प्रस्ताव को लागू करने की तैयारी की जा रही है। मेले में इस बार सीसीटीवी कैमरों की संख्या 70 से बढ़ाकर 75 की गई है। पर्यटन विभाग के निदेशक अभिलाष शर्मा ने बताया कि ट्रिपोड टर्नसटाइल्स लगाए जाने के लिए प्राधिकरण को प्रस्ताव भेजा जा चुका है।

हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया

11 अक्तूबर से शुरू होगा शिल्पोत्सव मेला

नोएडा | कार्यालय संवाददाता

नोएडा स्टेडियम में शनिवार से शिल्पोत्सव शुरू हो जाएगा। दिल्ली-एनसीआर के बड़े मेलों में शुमार शिल्पोत्सव में इस बार देश भर के चार सौ से अधिक शिल्पकार हिस्सा ले रहे हैं। मेले का उद्घाटन राज्य के पर्यटन मंत्री ओमप्रकाश सिंह करेंगे।

सेक्टर-21 के नोएडा स्टेडियम में लगने वाले दस दिवसीय मेले की थीम इस बार पर्यटन और हैंडीक्राफ्ट रखी गई है। मेले में देश के अलग-अलग राज्यों से शिल्पकार अपने उत्पादों के साथ हिस्सा लेंगे। मेले में एक तरफ लखनऊ की प्रसिद्ध चिकनकारी के साथ-साथ दक्षिण भारतीय कांजीवरम सिल्क से बने कपड़ों की खरीदारी की जा सकेगी। वहीं भागलपुरी साड़ियों के साथ-साथ मुरादाबाद और अलीगढ़ के पीतल से बने सजावटी सामान भी उपलब्ध होंगे। इसके साथ-साथ उत्तर-पूर्वी राज्यों के शिल्पकारों की हैंडीक्राफ्ट और जूट से बने सामानों की दुकान भी होगी। साथ ही हाथ से बनी मोमबत्ती, दीपक और धूप जैसे उत्पाद भी मेले में उपलब्ध रहेगा। इस बार मेले में विदेशी सामान भी मिलेगा। इसमें श्रीलंका, थाइलैंड और चीन के शिल्पकार भी हिस्सा ले रहे हैं। इन देशों की आठ दुकानें मेले में लगेंगी। मेले में खान-पान की भी की गई है।

नोएडा स्टेडियम में शिल्पोत्सव की तैयारियां करते कारीगर।

कल से 20 अक्तूबर तक के सांस्कृतिक कार्यक्रम

11 को विनोद राठौड़ (संगीत कार्यक्रम), **12** को ममता शर्मा (संगीत कार्यक्रम), **13** को अजमत अली, रागिनी मक्कड़ (सूफी नाइट), **14** को शिल्पा राव (संगीत कार्यक्रम), **15** को जिवेश अहलूवालिया (कॉमेडियन), **16** को सुरेश कुशवाहा (भोजपुरी संगीत), ब्रज की होली, **17** को आदित्य जस्सी (पंजाबी संगीत), **18** को कवि सम्मेलन, **19** को मालिनी अवस्थी (भोजपुरी संगीत) और **20** को जावेद अली (संगीत कार्यक्रम)।

मेट्रो स्टेशन से मिलेगी बसः प्रबंधन ने शटल की व्यवस्था भी की है। बॉटनिकल गार्डन, नोएडा सिटी सेंटर व बस अड्डे से मेले के लिए नियमित अंतराल पर बसें मिलेंगी। वहीं बुजुर्गों व बच्चों को मेला घुमाने के लिए बैट्री रिक्शा (गोल्फ कार्ट) भी उपलब्ध रहेगा।

मेट्रो की तर्ज पर टोकन से मिलेगा प्रवेशः मेले में इस बार दर्शकों को कई जगह टिकट दिखाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। पहली बार शिल्पोत्सव में मेट्रो की तर्ज पर प्रवेश मिलेगा। दर्शकों को गेट नंबर चार और सात से मेट्रो की तरह टोकन मिलेगा। इस टोकन को प्रवेश द्वार पर लगे कियोस्क पर रखना होगा। उसके बाद दरवाजा खुल जाएगा। टोकन (टिकट) की कीमत 20 रुपये है। प्रदेश के पर्यटन विभाग के निदेशक अभिलाष शर्मा ने बताया कि पहली बार समय बचाने के लिए यह व्यवस्था की गई है।

Business Standard

http://www.business-standard.com/article/pti-stories/10-day-noida-shilpotsav-kicks-off-tomorrow-114101100039_1.html

10-day Noida Shilpotsav kicks-off tomorrow

Press Trust of India | Noida
October 11, 2014 Last Updated at 01:13 IST

The 10-day Shilpotsav Noida-2014 will get underway here tomorrow following its inauguration by Uttar Pradesh Tourism Minister Om Prakash.

The event's launch will see a performance by Bollywood singer Vinod Rathod.

At a press briefing on the Shilpotsav, which will conclude on Oct. 20, Noida Chairman Rama Raman said that the Ministry of External Affairs has this year invited SAARC countries to participate in the Shilpotsav with Sri Lanka having so far confirmed its presence.

The first three days of the event will be based on tourism and will see the states of Madhya Pradesh and Jharkhand showcasing their destinations and products.

The festival venue will have around 350 handicraft stalls, 100 tourism and commercial stalls and 20 food stalls for the visitors.

Cultural programmes are scheduled everyday between 7 P.M. and 10 P.M. Featuring popular singers and artistes like Mamta Sharma, Shilpa Rao, Malini Awasthi, Javed Ali.

Also, there will be a Kavi Sammellan by Surendra Sharma, Kathak by Swor Vandana, Chirkula dance, Latth Maar Holi and Sufi music by Azmat Ali.

Elaborate arrangements have been made for security at the venue.

Meanwhile, Abhilash Sharma, Director, Tourism Uttar Pradesh, and the organising secretary for the Shilpotsav, said that in order to strengthen cultural activities in Noida, the Noida Authority has reserved a 25,000 sq.M plot in Sector 32 for the building of a 'Shilp Haat' on the lines of 'Delhi Haat'.

DAILY POST
Journalism of Hope
http://www.dailypost.in/news/india/35796-10-day-noida-shilpotsav-kicks-off-tomorrow

10-day Noida Shilpotsav kicks-off tomorrow

Noida

(PTI)

The 10-day Shilpotsav Noida-2014 will get underway here tomorrow following its inauguration by Uttar Pradesh Tourism Minister Om Prakash

The event's launch will see a performance by Bollywood singer Vinod Rathod.

At a press briefing on the Shilpotsav, which will conclude on Oct. 20, Noida Chairman Rama Raman said that the Ministry of External Affairs h this year invited SAARC countries to participate in the Shilpotsav with Sri Lanka having so far confirmed its presence.

The first three days of the event will be based on tourism and will see the states of Madhya Pradesh and Jharkhand showcasing their destinations and products.

The festival venue will have around 350 handicraft stalls, 100 tourism and commercial stalls and 20 food stalls for the visitors.

Cultural programmes are scheduled everyday between 7 P.M.

and 10 P.M. featuring popular singers and artistes like Mamta Sharma, Shilpa Rao, Malini Awasthi, Javed Ali.

Also, there will be a Kavi Sammellan by Surendra Sharma, Kathak by Swor Vandana, Chirkula dance, Latth Maar Holi and Sufi music by Azm Ali.

Elaborate arrangements have been made for security at the venue.

Meanwhile, Abhilash Sharma, Director, Tourism Uttar Pradesh, and the organising secretary for the Shilpotsav, said that in order to strengthe cultural activities in Noida, the Noida Authority has reserved a 25,000 sq.m plot in Sector 32 for the building of a 'Shilp Haat' on the lines of 'D Haat'.

हिन्दुस्तान
नोएडा • शनिवार • 11 अक्तूबर 2014

20 रुपये का टोकन लेने पर मिलेगा प्रवेश, स्टेडियम के गेट नंबर चार और सात से आ-जा सकेंगे

स्टेडियम में बारह प्रदेश की संस्कृति दिखेगी

शिल्पोत्सव आज से

नोएडा | कार्यालय संवाददाता

नोएडा स्टेडियम में शनिवार शाम से दस दिवसीय शिल्पोत्सव की शुरुआत हो जाएगी। 20 रुपये देकर मेट्रो की तर्ज पर टोकन लेकर शिल्पोत्सव में प्रवेश कर सकेंगे। शिल्पोत्सव में लोग स्टेडियम के गेट नंबर चार और सात से आ-जा सकेंगे।

शिल्पोत्सव में पांच साल तक के बच्चों का प्रवेश निशुल्क होगा। शिल्पोत्सव का शुभारंभ उत्तर प्रदेश के पर्यटन मंत्री ओमप्रकाश सिंह करेंगे, जबकि बॉलीवुड कलाकार विनोद राठौर सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश करेंगे। शिल्पोत्सव में पहली बार सार्क देशों में से श्रीलंका अपने हस्तशिल्प उत्पादों के साथ शामिल होगा।

शाम 7 से 10 बजे तक रोजाना होंगे सांस्कृतिक कार्यक्रम

शिल्पोत्सव में आने वाले लोग शाम को सांस्कृतिक कार्यक्रमों का लुत्फ भी उठा सकेंगे। रोजाना शाम 7 से 10 बजे तक सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किए जाएंगे। शनिवार को शिल्पोत्सव के शुभारंभ पर बॉलीवुड कलाकार विनोद राठौर कार्यक्रम पेश करेंगे, जबकि अंतिम दिन 20 अक्तूबर को जावेद अली कार्यक्रम का समापन करेंगे। 14 को कवि सुरेंद्र शर्मा के ठहाकों का भी मजा लिया जा सकेगा।

75 सीसीटीवी कैमरों से हर पल होगी शिल्पोत्सव की निगरानी

शिल्पोत्सव में आने वाले लोगों की सुरक्षा के लिए स्टेडियम के अंदर अस्थायी पुलिस चौकी बना दी गई है। 9 थाना प्रभारी, 25 दरोगा, 97 कांस्टेबल, 3 महिला दरोगा, 18 महिला कांस्टेबल लगाए गए हैं। इसके अलावा एंलआईयू कर्मी भी मौजूद रहेंगे। सुबह-शाम रोजाना बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वायड से भी चेकिंग की जाएगी। सीओ द्वितीय ने बताया कि 75 सीसीटीवी कैमरे से नजर रखी जाएगी।

शिल्पोत्सव तक आने-जाने के लिए सेक्टर-16 और सिटी सेंटर मेट्रो स्टेशन से नियमित अंतराल पर शटल बस मिलेंगी। यूपी पर्यटन विभाग के निदेशक अभिलाष शर्मा ने बताया कि शिल्पोत्सव में शिल्पियों, पर्यटन एवं व्यवसायिक और फूड के करीब 470 स्टाल लगाए गए हैं। फूड कोर्ट में लखनऊ से आए दरबार-ए-अवध में काकोरी, गुलावटी, सीक, बोटी-कबाब मिलेगा।

सेक्टर-33ए में बनेगा 'शिल्प हाट'

नोएडा | कार्यालय संवाददाता

शिल्पोत्सव का अगला आयोजन सेक्टर-33ए में होगा। सांस्कृतिक कार्यक्रमों को बढ़ावा देने के लिए 'शिल्प हाट' बनाने के लिए नोएडा प्राधिकरण ने सेक्टर-33ए में 25 हजार वर्ग जमीन आवंटित कर दी है। इसका लेआउट फाइनल कर बजट को अंतिम रूप दिया जा रहा है। उम्मीद है कि एक साल के भीतर निर्माण कार्य पूरा हो जाएगा।

नोएडा प्राधिकरण के चेयरमैन रमारमण ने शुक्रवार को स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में शिल्पोत्सव के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस शिल्प हाट में दुकाने दिल्ली हाट की तरह बनाई गई हैं। शिल्पोत्सव के साथ-साथ अन्य मेले भी लग सकेंगे। सूरजकुंड और प्रगति मैदान में लगने वाले ट्रेड फेयर की तर्ज पर आने वाले सालों में शिल्पोत्सव के आयोजन का कैलेंडर पहले से तय हो जाएगा। 'शिल्प हाट' में शिल्पोत्सव के लिए जगह रिजर्व रहेगी।

सेक्टर 21ए स्थित स्टेडियम में शिल्पोत्सव के बारे में जानकारी देते चेयरमैन रमा रमण और पर्यटन विभाग के डारेक्टर अविलाश शर्मा। • हिन्दुस्तान

दैनिक जागरण नई दिल्ली, 11 अक्टूबर 2014

जागरण सिटी
नोएडा

अगले वर्ष सेक्टर-33 में शिल्पोत्सव

प्राधिकरण ने सेक्टर-33 के खाली पड़े मैदान को किया चिन्हित

- इस वर्ष के शिल्पोत्सव का उद्घाटन आज शाम को करेंगे पर्यटन मंत्री

जागरण संवाददाता, नोएडा : अगले वर्ष से दिल्ली हाट की तर्ज पर नोएडा में लगने वाले शिल्पोत्सव मेले का आयोजन किया जाएगा। इसके लिए सेक्टर-33 के खाली पड़े मैदान को प्राधिकरण ने चिन्हित किया है। यहां शिल्पोत्सव की तर्ज पर कई अन्य मेले का आयोजन भी किया जाएगा। साथ ही शहर में होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित होंगे। शिल्पोत्सव लगाए जाने के लिए अभी तक कोई तारीख भी निश्चित नहीं है। प्राधिकरण ने तय किया है कि जल्द ही वार्षिक मेले शिल्पोत्सव के लिए तारीख निश्चित की जाएगी। यह जानकारी शुक्रवार को प्राधिकरण के चेयरमैन रमा रमण ने संवाददाताओं से बातचीत में दी। चेयरमैन नोएडा स्टेडियम में शिल्पोत्सव मेले की जानकारी दे रहे थे। उन्होंने बताया कि शिल्पोत्सव व अन्य सांस्कृतिक आयोजनों के लिए सेक्टर-33 में पांच एकड़ जमीन चिन्हित की गई है। आगरा, बनारस, मुरादाबाद के अलावा प्रदेश के उन सभी जिलों के लिए अलग से स्थान चिन्हित रहेगा जहां के कलाकर कुछ अलग तरह का सामान तैयार करते हैं। उन्हें अपने सामान को प्रदर्शित करने का मौका मिलेगा।

मेले में फूड कोर्ट: उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग के निदेशक अभिलाष शर्मा ने बताया कि इस बार खास तौर पर फूड कोर्ट की व्यवस्था की गई है। जिसमें शाकाहारी और मांसहारी भोजन के अलावा ब्रांडेड भोजन की भी व्यवस्था रहेगी।

11 से 20 अक्टूबर तक चलेगा मेला : मेले का उद्घाटन आज शाम छह बजे प्रदेश के पर्यटन मंत्री ओमप्रकाश करेंगे। उद्घाटन के बाद स्कूली बच्चे सरस्वती वंदना करेंगे और उसके साथ मेले का आगाज हो जाएगा। मेला 11 से 20 अक्टूबर तक चलेगा।

बीस रुपये होगा प्रवेश शुल्क : मेले में प्रवेश करने के लिए गेट के पास एक काउंटर बनाया जा रहा है। जहां से मेले में आने वाले लोगों को बीस रुपये जमा कराने पर एक टोकन मिलेगा। मेले में पांच वर्ष तक के बच्चों का प्रवेश निशुल्क रखा गया है।

प्रवेश के लिए ट्राइपोड : पहली बार मेले के प्रवेश द्वार पर लगाई जाएगी ट्राइपोड ट्रानसलाइड मशीन (मेट्रो स्टेशन पर प्रवेश करने के लिए टोकन से खुलने वाली मशीन) लगाई गई है। इससे जहां मेले का आधुनिकीकरण किया जा रहा है। वहीं इस मशीन से मेले में आने वाले लोगों का रिकार्ड भी रखा जा सकेगा।

मेले में क्लॉक टावर : मेले में प्रवेश करने के साथ ही बाई ओर करीब 25 फीट का क्लॉक टावर बनाया जा रहा है। गोल्डन कलर से बनाया गया टावर सहज ही लोगों को अपनी ओर आकर्षित करेगा।

रथ हांकते कृष्ण का दृश्य : कुरुक्षेत्र में कृष्ण द्वारा रथ हांकने और अर्जुन के तीर कमान संभालने की झांकी भी मेले में देखने को मिलेगी। जो आसानी से लोगों को अपनी ओर खींच सकेगी।

मेले में 75 सीसीटीवी कैमरे लगे: मेले में हर गतिविधि पर नजर रखने के लिए 75 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। अभी तक मेले में 70 सीसीटीवी कैमरे ही लगाए जाते थे।

आपातकाल के लिए गेट एक और दो को

पत्रकारों से वार्ता करते (बाएं से दूसरे) नोएडा प्राधिकरण चेयरमैन रमा रमण, डीसीईओ विजय यादव, उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग के निदेशक अभिलाष शर्मा व सीओ विश्वजीत श्रीवास्तव। जागरण

इंडिया गेट की थीम पर बनेगा गेट

इस बार मेले का प्रवेश द्वार इंडिया गेट की तर्ज पर होगा। यहां आने वालों को लगेगा की वह इंडिया गेट से होकर जा रहे हैं।

खोलने की रहेगी व्यवस्था : नोएडा स्टेडियम के गेट एक और दो सामान्य तौर पर बंद रहेंगे। यदि कोई अप्रिय घटना होती है, तो तत्काल गेट एक और दो खोल दिए जाएंगे।

मेले की सुरक्षा के लिए विशेष इंतजाम : मेले की सुरक्षा के लिए तीन हिस्सों में बांटा गया है। पुलिस की स्थाई चौकी स्थापित की जाएगी। इसके अलावा डॉग स्क्वायड, गुप्तचर विभाग के अधिकारी मेले की हर गतिविधि पर नजर रखेंगे। साथ ही एक सीओ के नेतृत्व में 9 इंस्पेक्टर, 25 एसआई, 97 सिपाही, तीन महिला सिपाही भी सुरक्षा व्यवस्था में तैनात रहेंगे।

शिल्पोत्सव के लिए इंडिया गेट की तर्ज पर तैयार किया जा रहा प्रवेश द्वार। जागरण

सेक्टर-21ए नोएडा स्टेडियम में आयोजित शिल्पोत्सव के लिए चल रही तैयारियां। जागरण

मेले में कार्यक्रम	
11 अक्टूबर	गायक विनोद राठौर
12 अक्टूबर	गीतकार ममता शर्मा
13 अक्टूबर	सूफी गायक अजमत अली
14 अक्टूबर	कवि सम्मेलन
15 अक्टूबर	कॉमेडी नाइट जीवेशू आहलुवालिया, अभिषेक, अमित शर्मा, प्रत्यूष चौबे तथा कथक डांस सवर वंदना द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा।
16 अक्टूबर	पंजाबी गायक आदित्य जस्सी
17 अक्टूबर	बॉलीवुड नाइट में शिल्पा रॉय
18 अक्टूबर	वीरकुला डांस, लठमार होली, भोजपुरी गीत का आयोजन किया जाएगा। इसमें मुरारी लाल शर्मा, सुरेश कुशवाहा अपनी प्रस्तुति देंगे।
19 अक्टूबर	भोजपुरी गायक मालिनी अवस्थी
20 अक्टूबर	गायक जावेद अली

नोएडा स्टेडियम में आयोजित शिल्पोत्सव के लिए तैयार किया जा रहा स्टेज। जागरण

नोएडा केसरी

नोएडा शिल्पोत्सव में इंडिया गेट की शक्ल का मुख्य द्वार, (मध्य) शिल्पोत्सव में बनी क्लाक टावर आकर्षण का केन्द्र, (दाएं) शिल्पोत्सव में हस्तशिल्प की दुकानें। (छाया : विकास)

शिल्पोत्सव का रंगारंग आगाज

नोएडा,(ब्यूरो): नोएडा स्टेडियम का रामलीला मैदान शनिवार को वहां लगी कलाकृतियां, विभिन्न हस्तशिल्प स्टॉल के अलावा सांस्कृतिक कार्यक्रम में बॉलीवुड गायक विनोद राठौर के गीतों से गूंज उठा। शिल्पोत्सव का उद्घाटन उत्तर प्रदेश के पर्यटन मंत्री ओमप्रकाश सिंह ने बतौर मुख्य अतिथि किया। उन्होंने शिल्पोत्सव मेले की सराहना की। उन्होंने कहा कि नोएडा शिल्पोत्सव हर वर्ष अपनी ख्याति बढ़ाता जा रहा है। देश के विभिन्न प्रदेशों के शिल्पियों के साथ ही अब कई अन्य देशों के शिल्पकार यहां पहुंचने लगे हैं। उन्होंने कहा कि नोएडा शिल्पोत्सव इस वर्ष ही ऐतिहासिक रहेगा। इस अवसर पर प्राधिकरण के कई अधिकारीगण, पर्यटन विभाग के अधिकारी सहित सपा सहित शहरवासियों में भीड़ रही। उद्घाटन के आगाज के साथ ही गायक विनोद राठौर ने अपनी गीतों से समां बांधा। सैकड़ों की संख्या में मौजूद लोग उनके गीतों पर तालियां बजाने पर मजबूर हो गए।

नोएडा स्टेडियम के रामलीला

थाइलैंड का क्लॉक टॉवर बना आकर्षण का केन्द्र

मैदान में दिल्ली के इंडिया गेट की तरह एंट्री गेट बनाया गया है। यहां से अंदर जाते ही आपको विविद प्रकार की स्टॉल मिलेंगे। इससे आगे जाने पर काफी ऊंचा थाईलैंड का क्लॉक टॉवर आपको आकर्षित करेगा। इसी के साथ आपको महाभारत का वह नजारा देखने को मिलेगा जब भगवान श्रीकृष्ण अर्जुन के रथ को हांक रहे हैं। इन सब नजारों को देखते के बाद देश के विभिन्न राज्यों की स्टॉलों पर सजीं हस्तशिल्प आपको अपनी ओर खींचेंगे। इन्हें देखने व खरीदने के बाद जब थकान व भूख लगने लगे तो यहां देश के कई शहरों के मशहूर लजीज व्यंजनों की स्टॉल मिलेंगी। यहां आकर आप अपने मन पसंद का खाना खा सकते हैं। इसके बाद शाम होते ही सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए तैयार की गई अत्याधुनिक स्टेज आपको अपनी ओर खींचेगी। यहां देश के नामचीन कलाकार अपनी जादुई आवाज व कला से आपको रात 10 बजे तक रोकने को मजबूर कर देगी।

THE TIMES OF INDIA, NEW DELHI / NOIDA / GHAZIABAD
MONDAY, OCTOBER 13, 2014

FESTIVE MOOD

Khalid Khan

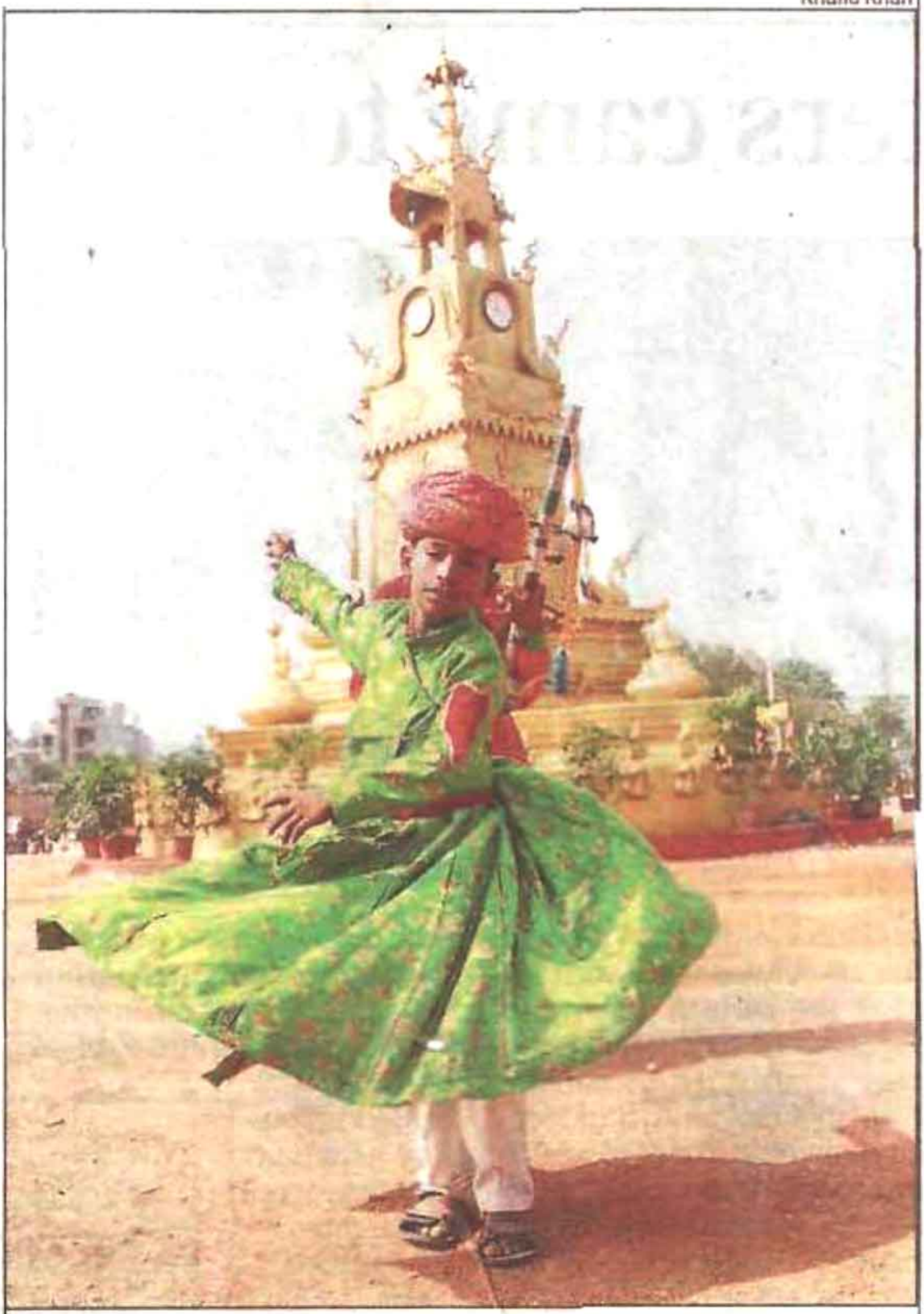

A folk dancer entertains visitors at Shilpotsav in Noida. The 10-day fest, which started on October 11, has around 350 handicraft stalls

गुजराती एप्लीक कला ने जीता दिल

कपड़ों पर की गई कारीगरी ने अविभाजित भारत की याद दिलाई

अरविंद सिंह

नोएडा। शिल्पोत्सव में हैंडलूम कॉटन के कपड़ों पर एप्लीक (सजावट) वर्क के बाद तैयार चादरें, पर्दे, तकिया व कुशन कवर दर्शकों के लिए आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। सालों से चली आ रही यह कारीगरी पाकिस्तान बंटवारे से पूर्व के भारत की याद दिलाता है।

नोएडा स्टेडियम के रामलीला ग्राउंड में चल रहे शिल्पोत्सव में स्टॉल नंबर सी-66 व 67 पर गुजरात को स्टेट हैंडलूम वेवर्स को-ऑप-फेडरेशन लिमिटेड की ओर से हैंडलूम कॉटन के उत्पाद प्रदर्शित किए गए हैं। इनकी खास बात यह है कि बेडशीट, कुशन कवर, तकिया के कवर, टेबल रनर्स और पर्दे समेत सभी उत्पादों पर एप्लीक वर्क किया गया है। 'ऑफ व्हाइट कलर में हैंडलूम कॉटन के बने इन उत्पादों के लिए लोगों को जेब ढीली करनी पड़ेगी। ये आम पर्दों, बेडशीट, तकिया कवर आदि के मुकाबले महंगे हैं।

शिल्पकार कार्तिक चौहान बताते हैं कि हैंडलूम कॉटन के कपड़े पर एप्लीक वर्क की यह सभ्यता बहुत पुरानी है। सिंधु नदी के आसपास के क्षेत्र से इसका जन्म हुआ था। राजा-महाराजा हाथी-घोड़ों की सवारी करते समय इन कपड़ों का इस्तेमाल करते थे। अब लोग इनका इस्तेमाल घरों केलिए करने लगे हैं। शिल्पोत्सव में पहली बार शामिल होने वाले कार्तिक ने बताया कि ऑफ व्हाइट कलर के कपड़े के ऊपर फोल्ड कर डिजाइन बनाया जाता है। इसके बाद डिजाइन की गई जगह को काटा जाता है। फिर हाथ से इसकी सिलाई की जाती है। इसमें काफी वक्त लगता है।

सेक्टर-21 के नोएडा स्टेडियम में चल रहे शिल्पोत्सव में लोकनृत्य करते कलाकार। अमर उजाला

शिल्पोत्सव के दूसरे दिन हैंडलूम कॉटन के उत्पाद किए गए प्रदर्शित, आम पर्दों, बेडशीट, तकिया कवर आदि के मुकाबले महंगे

राजा-महाराजा हाथी-घोड़ों की सवारी करते समय करते थे इन कपड़ों का इस्तेमाल

उत्पाद	कीमत
बेड कवर	2800-6500
कुशन कवर	200-450
तकिया कवर	350
टेबल रनर्स	300-2500
पर्दे	2500

नोट:-कीमत रुपये प्रति पीस के हिसाब से है।

थाने में बैठे ऑन ड्यूटी...

नोएडा (ब्यूरो)। थाने में बैठे ऑन ड्यूटी, बजावै हाय पांडे जी सीटी...। रविवार को शिल्पोत्सव में सांस्कृतिक संध्या के दौरान बॉलीवुड गायिका ममता शर्मा ने जब यह गाना गाया तो पुलिसकर्मियों समेत वहां मौजूद तमाम लोग सीटी बजाकर झूमने लगे। ममता शर्मा ने कार्यक्रम की शुरुआत अनारकली डिस्को चली... गीत से की। इसके बाद मैं तेनू समझावांगी न तेरे बिन लगदा जी..., पल-पल न माने टिकू जिया..., मैं लवली हो गई यार नाम तेरा पढ़के..., मुन्नी बदनाम हुई डार्लिंग तेरे लिए...जैसे गीतों से समां बांध दिया। उनके हर गीत पर लोगों ने खूब तालियां बजाईं। गीतों का सिलसिला यहीं खत्म नहीं हुआ। ममता शर्मा ने हम लुट गए ऐसी आके तेरे मोहल्ले..., अटा माझी सटकली..., मेरे फोटो को सीने से यार चिपका ले सैयां..., अ रे प्रीतम प्यारे..., फुलौरी बिना चटनी कैसे बनी...समेत कई गानों से अपनी आवाज का जादू बिखेरा। कार्यक्रम देर रात करीब 11 बजे तक चला। रविवार को दूसरे दिन दर्शकों की काफी सीटें खाली मिलीं। सोमवार को सूफी गायक अजमत अली और रागिनी मलकर का कार्यक्रम होगा।

एक चौथाई स्टॉल दूसरे दिन भी खाली

शिल्पोत्सव की तैयारियां अभी अधूरी दिख रही हैं। मेला शुरू होने के दूसरे दिन भी एक चौथाई स्टॉल खाली दिखे। बहुत से शिल्पी स्टॉल पर उत्पाद सजाते दिखे। पूछने पर उन्होंने बताया कि उन्हें स्टॉल देने में ही देरी की गई। इसके अलावा लाल मिट्टी डालने का काम रविवार को भी जारी रहा। क्लॉक टावर की घड़ी भी बंद दिखी।

ट्राइपॉड ट्रांसलाइट मशीन से परेशानी

शिल्पोत्सव में प्रवेश करने के लिए पहली बार ट्राइपोड ट्रांसलाइट मशीन लगाई गई है। मकसद था कि प्रोविसमिटी कार्ड के जरिये इस मशीन से प्रवेश करने में समय कम लगेगा, मगर ठीक इससे विपरीत हो रहा है। गार्डों को अपने हाथ से मशीन घुमानी पड़ रही है, जिससे मेले में प्रवेश और बाहर निकलने में ज्यादा वक्त लग रहा है।

कढ़ाई वाले गुजराती सूट आए पसंद

मिनिस्ट्री ऑफ टेक्सटाइल की ओर से सी-64 नंबर के स्टॉल पर सौराष्ट्र के बने सूट शिल्पोत्सव में पहुंचने वाली महिलाओं को खूब भा रहे हैं। ग्लेस कॉटन पर एंब्रॉइडरी (कढ़ाई) के जरिये खूबसूरत कलाकृतियां बनाई गई हैं। शिल्पकार तेजेश भाई शुक्ल ने बताया कि इन कपड़ों पर डाई किए रंग के न छूटने की गारंटी होती है। इनकी कीमत 750 से लेकर 1850 रुपये तक है। यह पूर्ण रूप से घरेलू उद्योग से जुड़ा हुआ है। गुजरात के सुरेंद्र नगर में घर पर महिलाएं और युवतियां सूट के कटे हुए कपड़ों को ले जाती हैं और उन पर कढ़ाई कर इसे तैयार करती हैं। ये शिल्पोत्सव में पहली बार शामिल हो रहे हैं।

hindustantimes

HINDUSTAN TIMES, NEW DELHI
TUESDAY, OCTOBER 14, 2014

Indian artisans get good response at Noida Shilpotsav

■ Singer Mamta Sharma performs at Shilpotsav 2014 in Noida Stadium on Sunday night.

Gautami Srivastava
■ gautami.srivastava@hindustantimes.com

NOIDA: *Indian artisans are getting* an overwhelming response at the Noida Shilpotsav. International craftsmen too expect the sale to pick up pace in a few days.

The 10-day-long handicraft fair, which is a fusion of art, culture and cuisine, was inaugurated on October 11 at Noida Stadium in Sector 21.

The biggest handicraft fair of the National Capital Region (NCR) is also witnessing participation of artisans from other countries such as Sri Lanka, Thailand.

About 10 artisans from Thailand have set up six stalls, while there are two stalls of Sri Lanka. Handicraft items from artificial flowers, traditional Thai-bamboo hand fans to Sri Lanka's pure cotton sarees and Buddha sculptures are being showcased in the shopping carnival.

Craftsmen looked disappointed with the dull response and claimed that setting up stalls in Delhi had always been much more lucrative for them. "Probably, our rates are too high for local visitors. We cannot afford to lower the prices as our profit margin is low. Buyers of an international handicraft fair have not been targeted well here. In Delhi, many foreigners also visit the exhibition, but there are hardly any visitors from abroad here," said Rohitha Dassanayake from National Antiquities Replica Centre, Sri Lanka.

■ The shopping carnival is on till October 20. SUNIL GHOSH / HT PHOTOS

According to sellers from Thailand, the weather, which is playing a spoilsport nowadays, has added to the lukewarm response.

"In 2013, the weather was pleasant during this time and a large number of people visited the event," said Anna, a handicraft artist from Thailand.

Meanwhile, UP tourism officials expect the visitor's turnout to improve in coming days. "It is just the third day of the Shilpotsav, the event will get good response from visitors in a few days. The sales will definitely improve and we are sure that sellers will not be left disappointed," said Abhilash Sharma, director, UP Tourism.

शिल्पोत्सव का रंगारंग आगाज

सेक्टर-21 ए स्थित नोएडा स्टेडियम में 19 नवंबर चलेगा शिल्पोत्सव

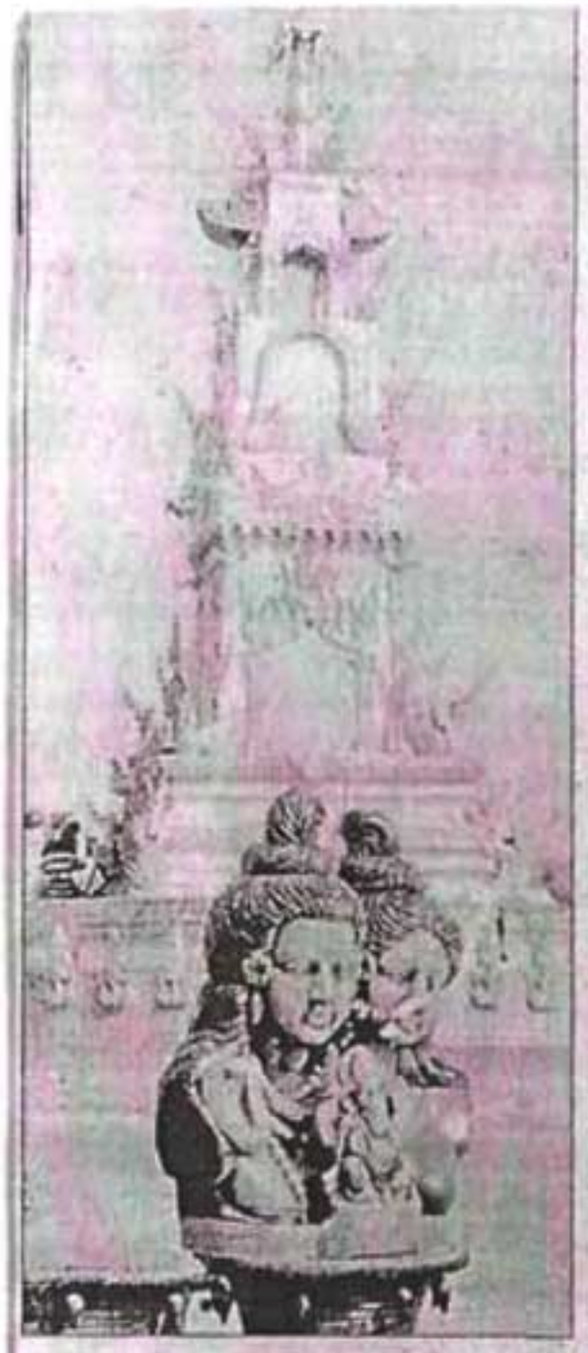

सेक्टर-21ए स्थित नोएडा स्टेडियम में आयोजित शिल्पोत्सव में प्रदर्शित भगवान शिव पार्वती की प्रतिमा। जागरण

जागरण संवाददाता, नोएडा : कला व कलाकारों के संगम के साथ शनिवार को नोएडा सेक्टर-21 ए स्थित नोएडा स्टेडियम में शिल्पोत्सव का शानदार आगाज हो गया। नौ दिनों तक चलने वाले इस उत्सव में आम जनता को रंगारंग कार्यक्रम से रूबरू होने का मौका मिलेगा। शिल्पोत्सव का उद्घाटन प्रदेश सरकार के पर्यटन ओम प्रकाश सिंह ने दीप जलाकर किया। इस मौके पर सावित्री बाई फुले बालिका इंटर कालेज के बच्चों ने सरस्वती वंदना की शानदार प्रस्तुति दी। इसके बाद आनंद लोके मंगला लोके गीत गाया। बॉलीवुड गायक विनोद राठौर ने अपने गीतों से सभी को मस्त कर दिया। उद्घाटन समारोह के दौरान सेक्रेटरी व डायरेक्टर जनरल आफ टूरिज्म अमृत अभिजात, डायरेक्टर टूरिज्म अभिलाष चंद शर्मा, प्राधिकरण के सीईओ विजय यादव के अलावा, विधायक भगवान शर्मा उर्फ गुड्डू पंडित, समाजवादी पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष सूबे सिंह यादव, अविनाश यादव व सपा के प्रदेश सचिव मधु सिंह भी उपस्थित थे।

गौरतलब है कि शिल्पोत्सव का आयोजन पिछले छह वर्ष से किया जा रहा है। आयोजन प्रदेश के पर्यटन विभाग और नोएडा प्राधिकरण के संयुक्त प्रयास से होता है।

सार्क देश होंगे शामिल

शिल्पोत्सव में सार्क देश भी शामिल हो रहे हैं। नौ दिनों तक चलने वाले मेले में देश-विदेश के करीब साढ़े तीन सौ शिल्पकार अपने सामान की प्रदर्शनी लगाएंगे। एनसीआर में सूरजकुंड मेले के बाद यह दूसरा मेला है। जहां इतनी तादाद में शिल्पकार और लोग शामिल होते हैं। यहां प्रतिदिन सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाएगा। प्राधिकरण ने अगले वर्ष से इस मेले के लिए तारीख सुनिश्चित करने का फैसला किया है। अभी तक शिल्पोत्सव का आयोजन नोएडा स्टेडियम में किया जाता रहा है। अगले वर्ष से इसका आयोजन स्थाई तौर पर सेक्टर-33 में किया जाएगा। इसके लिए प्राधिकरण ने पांच एकड़ जमीन भी चिह्नित कर ली है, जहां साल भर मेलों का आयोजन किया जाएगा।

शिल्पोत्सव का उद्घाटन करते प्रदेश सरकार के पर्यटन ओम प्रकाश सिंह। जागरण

- विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े कलाकार देंगे शानदार प्रस्तुति

मंत्री आए, पर नदारद रहे जिले के अधिकारी

पर्यटन मंत्री ओम प्रकाश सिंह लखनऊ से यहां शिल्पोत्सव का उद्घाटन करने पहुंचे, लेकिन जिले प्रशासनिक अधिकारी, नोएडा प्राधिकरण, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण और यमुना प्राधिकरण के अधिकारी नदारद थे। सिर्फ प्राधिकरण के इक्का-दुक्का अधिकारी ही नजर आ रहे थे।

सुरक्षा के इंतजाम कड़े

11 से 20 अक्टूबर तक चलने वाले मेले की सुरक्षा के लिए के लिए विशेष व्यवस्था की गई है। इसके लिए जिले के साथ आसपास के जिलों की पुलिस भी तैनात की गई है। लोगों को मेले में किसी तरह की दिक्कत न हो इसका पूरा ख्याल रखा गया है।

पहले दिन ही फीका रहा शिल्पोत्सव

नोएडा स्टेडियम में चल रहे शिल्पोत्सव का पहला दिन ही फीका रहा। प्रदेश सरकार के पर्यटन मंत्री ओम प्रकाश सिंह और मंत्रालय के अधिकारी शिल्पोत्सव मेले का उद्घाटन करने पहुंचे, तो वहां माहौल फीका था। इसी के चलते मंत्री और अधिकारी उद्घाटन करने के बाद थोड़ा भर के लिए रुके थे। वह इसके बाद चलते बने। उनके इस अंदाज से ऐसा प्रतीत हो रहा था कि वह शिल्पोत्सव का माहौल देख चिंतित थे।

आधे से अधिक खाली पड़े थे स्टॉल

शिल्पोत्सव के आयोजक स्टॉल लगाने वालों को आकर्षित करने में पूरी तरह से नाकाम रहे। इसी के चलते आधे से अधिक स्टॉल खाली पड़े थे। इससे यही लग रहा था कि या तो आयोजक स्टॉल लगाने वालों तक पहुंच नहीं सके। या फिर उन्होंने उनको रिझाने के लिए कोई कदम नहीं उठाए। नतीजा रहा कि भीड़ नजर नहीं आई।

शिल्पोत्सव में कठपुतली का नाच नहीं

- मेला प्रशासन ने कार्यक्रम की नहीं दी इजाजत

जागरण संवाददाता, नोएडा : शिल्पोत्सव में इस बार कठपुतली का नाच देखने को नहीं मिलेगा। मेला प्रशासन ने इस कार्यक्रम को कराने से इनकार कर दिया है। मेले में इस बार जगह की किल्लत है। हालांकि, ये कलाकार हर बार शिल्पोत्सव में कठपुतली नाच के साथ-साथ दो कच्ची घोड़ी के नाच नगाड़े पर धुन निकालते हैं और दो इसकी धुन पर घोड़ी के साथ नृत्य करते हैं। इन कलाकारों ने बताया कि उन्हें बाहर इस नृत्य है। इनका यह खानदानी कर्म है। इनकी कई पीढ़ियां इस नृत्य के जरिये ही अपना जीवन यापन कर रही हैं। ये कलाकार अपनी कच्ची घोड़ी और कठपुतली नृत्य के जरिये देश में ही नहीं, बल्कि विदेश में भी धूम मचा रहे हैं। नेपाल और मॉरीशस में इस कला की ज्यादा मांग है। यहां प्राय: शादी-समारोह में

दैनिक जागरण

जागरण सिटी

नोएडा/ ग्रेटर नोएडा

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर 2014

नक्काशी में माहिर नदीम लकड़ी को बना देते हैं बेशकीमती

मनोज त्यागी, नोएडा

◆ तिरंगे को लकड़ी पर उकेरने की तमन्ना

लकड़ी उनकी उंगली के इशारे पर घूम जाती है। वह लकड़ी पर बारीक नक्काशी उकेर कर उसे बेशकीमती बना देते हैं। सहारनपुर के रहने वाले नदीम अपनी कला से देश का झंडा बनाकर उसे राष्ट्रीय अवार्ड में शामिल कर चुके हैं। स्टेट अवार्ड के अलावा उनके पास प्रमाण पत्रों का ढेर लगा है। वह सिर्फ चार महीने ही भारत सरकार और प्रदेश सरकार द्वारा लगाए जाने वाले हैंडीक्राफ्ट की प्रदर्शनी में अपने बनाए उत्पाद को प्रदर्शित करते हैं। उनके बनाए सामान की सबसे ज्यादा मांग फौज में है। वह फौज के लिए एक से बढ़कर एक उम्दा किस्म के लकड़ी के सामान बनाते हैं।

नोएडा स्टेडियम में लगे शिल्पोत्सव में नदीम के बनाए झूले, कुर्सी, लैंप, घड़ी, रसोई का सामान आदि उपलब्ध है। इन सभी लकड़ी के सामान पर बारीक नक्काशी का काम किया गया है। फ्लावर स्टैंड को दस पीस में बनाया गया है। पहली बार देखने में यह समझना मुश्किल है कि वह एक पीस में बना है या दस पीस में। हर जोड़ को बहुत ही बारीकी से जोड़ा गया है। इसे बनाने में दो दिन का समय लगता है। जबकि झूले को बनाने में एक सप्ताह का समय लगता है। नदीम बताते हैं कि वह ज्यादातर शीशम की लकड़ी इस्तेमाल करते हैं। इससे बने फर्नीचर को लंबे समय तक इस्तेमाल किया जाता है। आम और पहाड़ी लकड़ी पापड़ी का भी उनके द्वारा बनाए गए फर्नीचर में प्रयोग किया जाता है। यह उनका पुश्तैनी काम है। अगली पीढ़ी इस कारोबार को आगे बढ़ाने के मूड में नहीं है। वह पढ़ लिखकर आइएएस और आइपीएस बनना चाहते हैं। वह बताते हैं कि उन्होंने 1988 में अपने इस पुश्तैनी काम को संभाल लिया था। उन्होंने बताया कि नोएडा में पहली बार वह आए हैं। आर्मी के लिए वह लकड़ी का सभी तरह का सामान सप्लाई करते हैं। जिसमें सोफा, बैड, विंडो, कबर्ड, विजिटर टेबल, सेंटर टेबल जैसे उत्पाद शामिल हैं। उनकी इच्छा है कि एक बार उन्हें राष्ट्रीय पुरस्कार मिले। इसके लिए विशेष तौर पर भारत के झंडे को लकड़ी पर उकेरा जाएगा। उन्हें विश्वास है कि वह इस पुरस्कार को जरूर हासिल कर लेंगे।

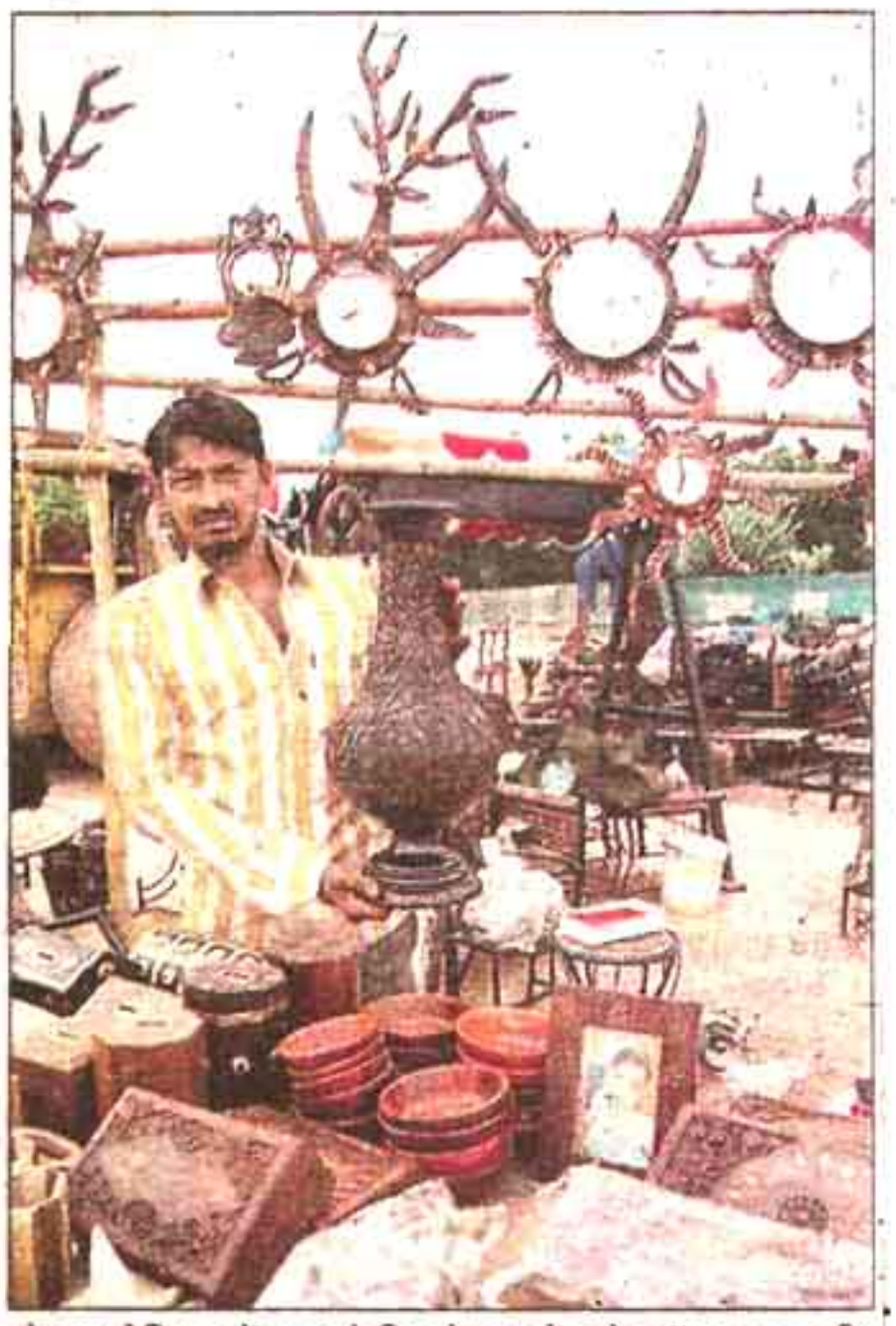

नोएडा स्टेडियम में चल रहे शिल्पोत्सव में लगे स्टॉल पर लकड़ी से बने फ्लावर पॉट को दिखाता दुकानदार। जागरण

शिल्पोत्सव में आसियान और दक्षेस की दस्तक

◆ थाइलैंड और श्रीलंका ने दिखाई दिलचस्पी, शिल्पोत्सव ने सुलभ कराया साझा मंच

रमेश मिश्र, नोएडा

नोएडा शिल्पोत्सव में आसियान और दक्षेस देशों की दिलचस्पी से इसका फलक व्यापक हो गया है। इन देशों के शामिल होने से जहां आसियान दक्षेस देशों के साथ भारत की सामाजिक व सांस्कृतिक गतिविधियों को एक और साझा मंच मिलेगा, वहीं प्रदेश के पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। उत्तर प्रदेश का पर्यटन मंत्रालय भी काफी उत्साहित है।

शिल्पोत्सव में पहली बार आसियान और दक्षेस से जुड़े दो देशों थाइलैंड और श्रीलंका ने दस्तक दी है। कागजी खानापूर्ति के चलते इस संगठन से जुड़े अन्य मुल्क इसमें हिस्सा लेने से चूक गए। पर्यटन विभाग उम्मीद जता रहा है कि 2015 में लगने वाले शिल्पोत्सव में दक्षेस के और भी देश जुड़ेंगे। पड़ोसी मुल्कों की सहभागिता से प्रदेश के पर्यटन उद्योग को और बढ़ावा मिलने के साथ ही सामाजिक व सांस्कृतिक पहलुओं को समझने का मौका मिलेगा। इसके मद्देनजर नोएडा प्राधिकरण ने इस कार्यक्रम में खास दिलचस्पी दिखाई है। नोएडा के सीईओ एवं चेयरमैन रमा रमण ने कहा कि पर्यटन और प्रदेश के सामाजिक-सांस्कृतिक पहलुओं को उजागर करने का इससे बेहतर मंच और नहीं हो सकता। प्राधिकरण ने पर्यटन विभाग के साथ मिलकर इस कार्यक्रम को अंजाम दिया है। उम्मीद है कि भविष्य में प्रचार-प्रसार का यह सशक्त मंच साबित होगा।

शिल्पोत्सव में लगे थाइलैंड के स्टॉल पर सजा सजावटी सामान। जागरण

यह निश्चित रूप से एक समग्र मेला है। इससे पर्यटन के साथ सामाजिक-सांस्कृतिक पहलुओं को बढ़ावा मिलेगा। समय के साथ इसका प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष लाभ नोएडा के निवेश पर भी पड़ेगा।

–रमा रमण, चेयरमैन व सीइओ, नोएडा प्राधिकरण

शिल्पोत्सव को सूरजकुंड मेले की तर्ज पर विकसित किया जाएगा। मुझे पक्का यकीन है कि भविष्य में इसकी भव्यता और दायरा इसकी तर्ज पर होगा। हमारे पर्यटन विभाग के सचिव अमृत अभिजात की प्रेरणा से यह काम आगे बढ़ाया जा सका।

–अभिलाश शर्मा, निदेशक पर्यटन विभाग, उत्तर प्रदेश।

उधर, शिल्पोत्सव मेले के प्रभारी व पर्यटन विभाग के निदेशक अभिलाश शर्मा ने कहा कि शिल्पोत्सव मेले में हमारा लक्ष्य प्रदेश के पर्यटन को और भी सुदृढ़ करना है।

ड्रैगन ने भी लिया हिस्सा : पर्यटन विभाग के निमंत्रण पर इस बार चीन यानी ड्रैगन ने शिल्पोत्सव में बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। हालांकि, मेले में चीनी लोग नदारद हैं, लेकिन उनका उत्पाद यहां उनका प्रतिनिधित्व कर रहा है। चीनी उत्पादों के स्टाल मेले में मिल जाएंगे। चीन मेले को व्यापारिक दृष्टि से महत्वपूर्ण मान रहा है।

विदेश मंत्रालय भी जुड़ा : इस मेले से भारत का विदेश मंत्रालय भी जुड़ गया है। दक्षेस देशों को निमंत्रण के लिए मंत्रालय ने संयुक्त राष्ट्र को संपर्क किया था। संयुक्त राष्ट्र ने दक्षेस से और दक्षेस ने अपने राष्ट्रों से संपर्क कर इस कार्यक्रम में आने का न्योता दिया था।

(संबंधित खबर पेज ||| पर)

APART FROM PAPIER MACHE PRODUCTS, RAJASTHANI STYLE PAINTINGS MADE FROM POWDERED GEMSTONES ARE ALSO POPULAR AT THE SHOPPING FESTIVAL

अमर उजाला

नई दिल्ली। बृहस्पतिवार। 16 अक्तूबर 2014

पहली बार लगा श्रीलंका का स्टॉल

श्रीलंका के स्टॉल से खरीदारी करती युवती। अमर उजाला

अमर उजाला ब्यूरो

प्योर कॉटन की साड़ियों से सजा है

खूब भा रही फाइबर ग्लास की बुद्ध की मूर्ति

नोएडा। नोएडा शिल्पोत्सव में पहली बार श्रीलंका के हस्तशिल्प का स्टॉल लगा है। इसमें प्रदर्शित शुद्ध कॉटन की बनी साड़ी और फाइबर ग्लास के बनी आकृतियां खासकर महात्मा बुद्ध की आकृति लोगों को खूब आकर्षित कर रही है।

दरअसल, नोएडा शिल्पोत्सव में पहली बार सार्क देशों के सभी सदस्यों के हिस्सा लेने की बात कही गई थी, मगर थाईलैंड और श्रीलंका को छोड़कर बाकी किसी भी देश से शिल्पकार नहीं आ पाए। मेले में प्रवेश करते ही बायीं तरफ दोनों के स्टॉल लगे हैं। थाईलैंड की स्टॉल पर घरेलू सजावट के साजोसामान उपलब्ध हैं, वहीं, श्रीलंका के दो स्टॉल हैं जिसमें एक में कॉटन की बनी साड़ियां और दूसरे में फाइबर के बने उत्पाद।

श्रीलंकाई शिल्पकार ने बताया कि प्योर कॉटन में बनी एक साड़ी की कीमत पांच हजार रुपये है, जबकि एक

स्टोल की कीमत 800 रुपये है। वहीं, श्रीलंका के प्रसिद्ध बोधिसत्व की आकृति की कीमत करीब 15,000 हजार रुपये है। इसके श्रीलंका में प्रसिद्ध तारा और पार्वती की आकृति भी उपलब्ध है। इनकी कीमत क्रमशः 4500 रुपये और 1900 रुपये है। साथ ही विभिन्न मुद्राओं में महात्मा बुद्ध की स्टेच्यू भी उपलब्ध है।

जीवेश के चुटकुलों ने खूब हंसाया

बुधवार शाम आयोजित कार्यक्रमों में स्वर वंदना की ओर से सबसे पहले सरस्वती गीत प्रस्तुत किया गया। इसके बाद गज़ल पेश की गई। स्वर वंदना की तरफ से कथक नृत्य भी पेश किया गया। यह कार्यक्रम करीब डेढ़ घंटे चला। अंत में कॉमेडी नाइट का शो हुआ, जिसमें जीवेश अहलूवालिया के चुटकुलों ने लोगों को खूब हंसाया। बृहस्पतिवार को आदित्य जस्सी का पंजाबी पॉप कार्यक्रम होगा।

THE TIMES OF INDIA, NEW DELHI / NOIDA / GHAZIABAD
THURSDAY, OCTOBER 16, 2014

Barring a few, Saarc nations make little noise at Shilpotsav this year

Meenakshi.Sinha
@timesgroup.com

Prem Bisht

The festival has been receiving a positive response for past few years

Noida: NCR's most eagerly-awaited handicrafts fair, the Noida Shilpotsav 2014, has begun on a bleak note. Contrary to what had been touted, the fair, being held at the Noida stadium in Sector 21A between October 11 and October 20, witnessed negligible participation from SAARC nations. Besides Sri Lanka, no other Saarc country has put up a stall here. Booths were still being set-up, two days after the fair commenced. Countries such as Thailand and China have made their presence felt, with the former by now participating regularly for the past two years.

"The process of getting Saarc countries to participate in such a fete is cumbersome. Though the process of acquiring permissions and approvals starts a year in advance, many clearances from the external affairs ministry, the UN and the countries themselves, take a lot of time," said Abhilash Sharma, the Crafts Mela Mahotsav Samiti secretary. Most countries follow a strict code of conduct in seeking clearances, which includes detailed information on security arrangements, cleanliness and record of footfall during the fair, Sharma added.

The 10-day fair also includes cultural programmes by eminent artists. Inaugurated in 2009, the festival has been receiving positive responses over the past few years.

राष्ट्रीय सहारा | 7

नई दिल्ली | बृहस्पतिवार • 16 अक्टूबर • 2014

नोएडा स्टेडियम में शिल्पोत्सव मेले में गढ़वाली नृत्य प्रस्तुत करतीं कलाकार। फोटो : एसएनबी

MADHUBANI PAINTING ARTEFACTS A HIT AMONG VISITORS

Gautami Srivastava
gautami.srivastava@hindustantimes.com

NOIDA: For 61-year-old Sunita Karan and her husband Narendra Kumar, the technique of papier mâché was just a hobby. Little did they know that their passion for the art would *help them eke out an income.*

Featured at several handicraft festivals, Sunita's artefacts made from recycled paper with Madhubani painting, are drawing the attention of visitors at the biggest handicraft fair of the National Capital Region (NCR) — Noida Shilpotsav Noida 2014.

In 2012, she was also awarded for her creativity at the Shilpotsav.

"The idea of turning waste paper into handicraft came into my mind when I saw how 'Chulah' is made out of mud. I tried to make small artefacts of wet paper and my husband painted it in Madhubani style. We started this small-scale business in 1996," said Sunita, who also teaches the craft to school students.

"It takes four to six days to complete one papier mâché item," she said.

The couple has opted for an indigenous method of the art, wherein waste paper is soaked in water for a few days. Later, it is mixed with thick paste of fuller's earth (Multani Mitti) and fenugreek powder, which also acts as a glue. The paste is moulded into different shapes, dried and then coloured.

Apart from papier mâché products, Rajasthani style paintings made out of powdered gemstones are also gaining popularity in the shopping festival. "Two to four people work on a painting. It takes around three days to *finish one piece as it is a tedious* process. Powdered gemstones are used to carefully colour the paintings," said Ramdas, an artist from Bikaner, Rajasthan.

APART FROM PAPIER MÂCHÉ PRODUCTS, RAJASTHANI STYLE *PAINTINGS MADE FROM* POWDERED GEMSTONES ARE ALSO POPULAR AT THE SHOPPING FESTIVAL

KRISHNA'S CHARIOT AT SHILPOTSAV

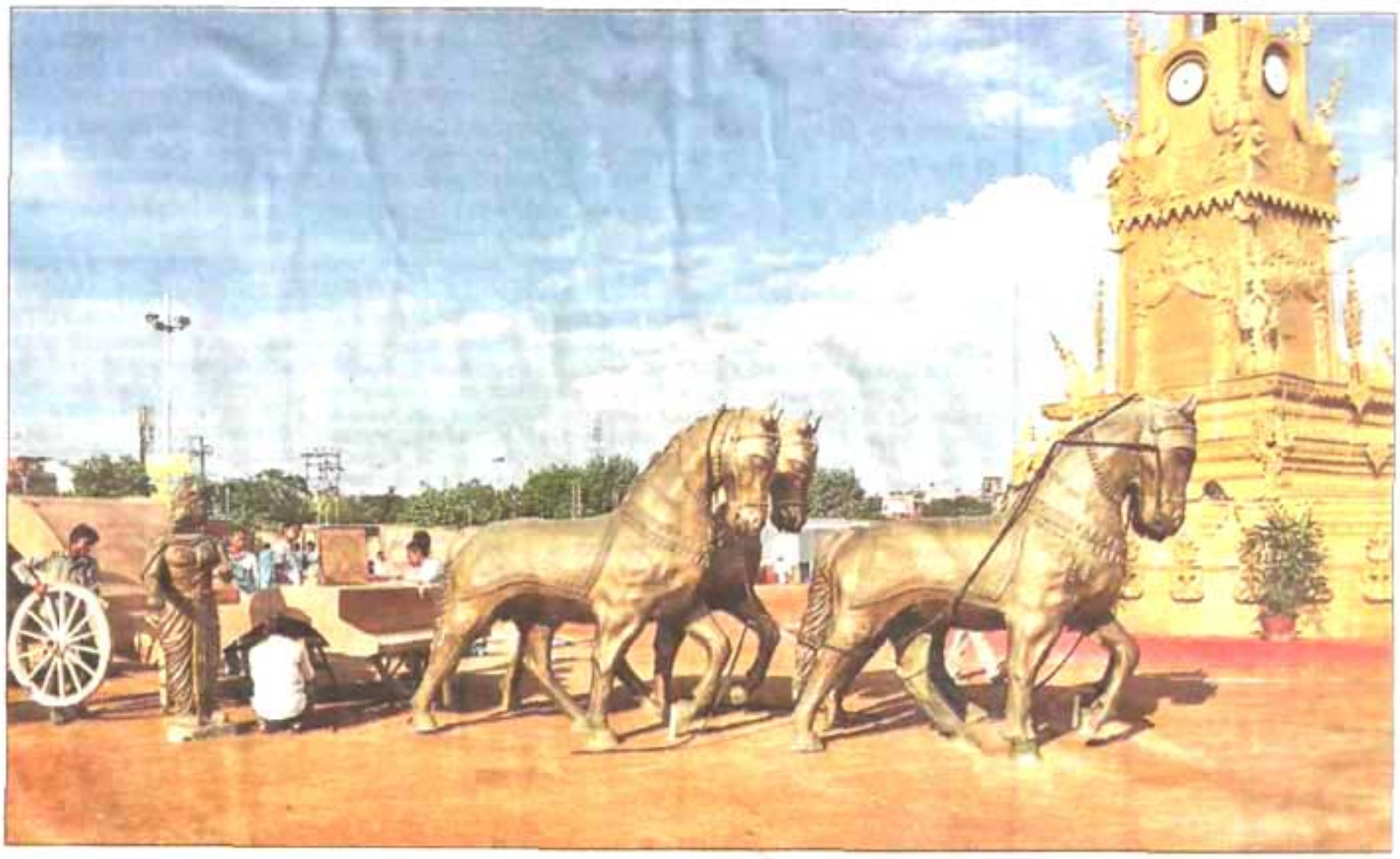

A replica of a chariot used by Lord Krishna and Arjuna in the Mahabha at Shilpotsav in Noida Stadium, Sector 21, on Tuesday.
SUNIL GHOSH/HT PHOTO

hindustantimes

NoidaTimes

FRIDAY, OCTOBER 17, 2014 | ADVERTORIAL, ENTERTAINMENT PROMOTIONAL FEATURE

VARIETY

Beyonce's new hairdo draws flak from fans?

Page 15

Pics: Satish Jaiswal

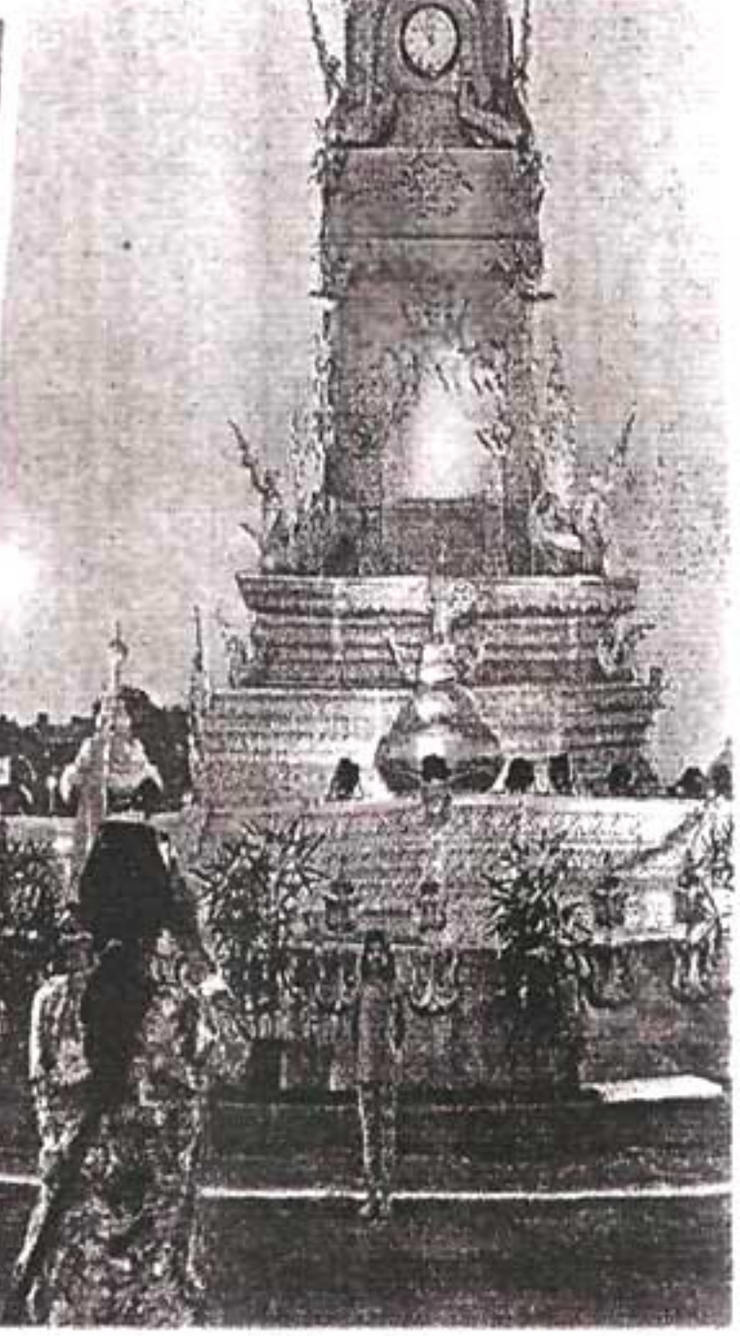

Shoppers checking out the stalls at the fair (L) and take pictures next to the different installations there

Firangi stuff, desi khaana and shopping ka bahaana

Noida shoppers were delighted as they indulged their *andar ke* shopping *ka keeda* at the various stalls at the ongoing Shilpotsav in Noida Stadium

Niharika.Lal@timesgroup.com

Noida stadium was flooded with people bargaining with shopkeepers and chatting cheerfully, taking pictures with their friends and family at the ongoing crafts festival – Shilpotsav.

Noida*wallah*s indulged in the various handloom and handicraft kiosks at the in-house festival of the city which is offering them not just decorative items and apparel, but stuff from places as far away as Thailand and Sri Lanka. Lamps from Thailand, artefacts from Sri Lanka and idols from China are a highlight at this year's edition of the fair. The 10-day exhibition, that took off on October 11, has been witnessing huge crowds throughout the day, especially in the evenings. The exhibition, organised by the UP Tourism Department in collaboration with Central Government, with about 350 handicraft stalls and 100 tourism and food stalls, and is on till October 20.

CONTINUED ON PAGE 12

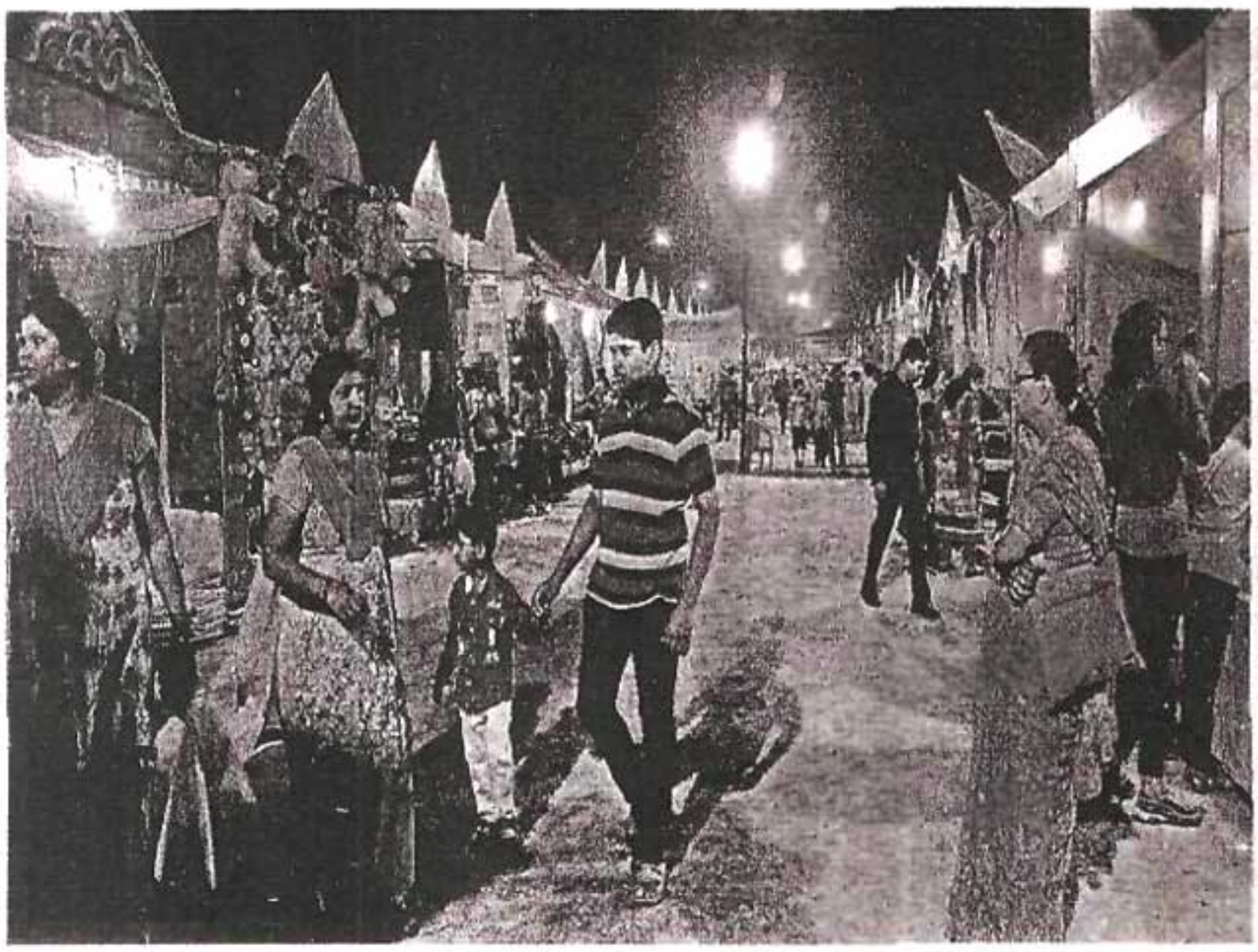

Madhubani paintings, Chinese idols and Thai lamps rule Diwali fair in Noida

Pics: Satish Jaiswal

...CONTINUED FROM PAGE 1

SO MANY OPTIONS, BUT YOU SHOULD KNOW HOW TO BARGAIN

Those looking for artefacts to deck up their homes this Diwali can check out things like gemstone paintings, wood carved decorative items and table mats. However, terracotta, paper and clay seem to rule the artefacts domain at the mela. Mala Majhi, a homemaker, who lives in Sector 37, said, "The terracotta items are trendy, eco-friendly and less expensive as compared to metal ones. I am planning to renovate my house this Diwali, so I thought of buying a few items from the fair. I think with good bargaining skills, one can buy many interesting items here."

TOO MANY OPTIONS CREATE CONFUSION

Ancient Madhubani paintings get a new age spin in the form of wall hangings at several stalls. Different paper mache idols seemed to catch everyone's attention. On display are handprinted and vegetable-dyed bed linen, *banjara* bags and other regional art and craft items, leaving customers confused about what to buy and what to forego. "With such an amazing variety, the handicrafts' fair is a delight for shoppers. I am confused about what to buy and what to leave," said Srishti Singh, who lives in Sector 58, and was buying mats for her house.

EXPECTING MAXIMUM SALES IN THE LAST FEW DAYS OF THE FAIR: SHOPKEEPERS

However, the shopkeepers, who put up their stalls in the mela, told us that considering that the festive season is on, they expected more crowd. "Our sales have picked up, but the footfall is not very high. Every year, we sell most of the items in the last three-four days and we are hoping the same this year, too," says Ravi Kumar who has put up an artefacts stall.

— Niharika.Lal@timesgroup.com

Noida*wallahs* taking a stroll and checking out different stalls at the fair

A musical evening in the city

Svar-Vandana, music and dance academy, presented an Indian classical evening of music and dance at the Noida Shilpotsav recently. The Shilpotsav is an important event in the cultural scenario of Noida.

Svar-Vandana has centres in Sector 48 and 122 in Noida and Sector 40 in Gurgaon. These centres are called 'Happiness Centres' by Sanjay Sarda, chairman of the institute and Meenakshi Sarda, director of the institute.

The evening starting with a Saraswati Vandana by the students of the academy. This was followed by a santoor recital from Dr Bipul Kumar Ray, who played ragas like Gavati, Pahadhi and Kaafi. There were other performances at the event that had the guests asking for more. Tanya Dua performed a melodious Dadra song *Rangi Sari Gulabi*, which was followed by a ghazal by Abhaar.

In the spirit of the coming Diwali season, a unique dance form – Shagun Aakhar – a traditional folk song of Uttrakhand was performed by the senior students of the academy. The show concluded with a Sufi performance on the song *Dama Dam Mast Qalandar*.

Contact: Sanjay Sarda on 9958027555/ 7838330700, [illegible], www.swarvandana.com
Address: A181, Sector-48, Noida and PK-5, Sector 122 Noida

The students of Svar-Vandana dance academy performed at Shilpotsav

The Dilli *Haat* in Pitampura

Coming soon: A Dilli Haat for Noidawallahs

...CONTINUED FROM PAGE 1

Along with these, a building would also be constructed where the artistes and other members can stay.

CONSTRUCTION TO BEGIN IN A MONTH

Apart from the allotted space, there is a huge area of 30-40,000 sqm in front of the proposed plot which the officials are planning to use for parking. Construction of the *haat* is expected to start in a month or two and Sharma said the construction needs to be done only on 10% of the area, so it won't take too long to finish.

GIVING A PUSH TO CULTURAL DEVELOPMENT

The idea behind creating Noida Haat is to create a cultural space in Noida. **Abhilash Sharma** told us, "*Yeh shehar kisi bhi maamle mein* Delhi *se kam nahi hai. Yahan ka* infrastructure *dekhiye*, development *dekhiye. Par jab baat* cultural space *ki hoti hai, toh yahan kuch nahi hai.* Mandi House *bhi toh kabhi shuru hua hoga*. We are also here to give a push to start something new. Shilpotsav was the first step that we took in this direction in 2009. Noida Haat is another leap for us, and once these things will start, more dance schools and theatre classes will open in Noida. I am sure the *haat* will spark more activities in the city and more expos and exhibitions in Noida."

REPLICATE DELHI'S PATTERN

Noida Haat would be created on a pattern similar to Dilli Haat and the allotment of space to artisans and sellers would also be for a fortnight. Sharma said, "Starting something new on a different pattern would not have been be easy. Hence, we have decided to follow the same pattern as Dilli Haat. Shops would be allotted on 15 days' basis. Artistes from across the country would be invited to put up their stalls, and we have also decided to allot shops to the craftsment from SAARC countries. *Bahut se log jo* Dilli Haat *jaatey hain, unki yeh shikayat rehti hai ki ghoom phir kar ek hi jaise dukaan waley mil jaatey hain.* We will address these issues and ensure variety."

— Niharika.Lal@timesgroup.com